

Obsah

| | |
|--------------------------------------|-----------|
| Předmluva..... | 3 |
| I. Dopisy od Sázavy..... | 5 |
| <i>Pozdrav Řece</i> | 5 |
| <i>Červená a modrá</i> | 6 |
| <i>Nostalgie</i> | 7 |
| <i>Adventní Řekou</i> | 8 |
| <i>Starý most</i> | 9 |
| <i>Potoky a Řeka</i> | 10 |
| <i>Vítání jara</i> | 10 |
| <i>Pascha</i> | 11 |
| <i>Clavis Sancti Petri</i> | 12 |
| <i>Krásy okamžiků</i> | 13 |
| II. Sklonění k vodě..... | 15 |
| <i>Bratr Orobinec</i> | 15 |
| <i>Kapka vody</i> | 16 |
| <i>U pramene</i> | 16 |
| <i>Voda v kaluži</i> | 17 |
| <i>Rybník</i> | 18 |
| <i>Tiň</i> | 19 |
| <i>Vodopád</i> | 20 |
| <i>Peřej</i> | 21 |
| <i>Kamenný potok</i> | 23 |
| <i>Říčka v lukách</i> | 24 |
| <i>Poslední sklonění</i> | 24 |
| III. Prameny a studánky | 26 |
| <i>Pramínek z dětství</i> | 26 |
| <i>Haltýř</i> | 27 |
| <i>Přetékající pramen</i> | 28 |

| | |
|--|----|
| <i>Tříkrálová studánka</i> | 29 |
| <i>Sklepení s vodou</i> | 30 |
| <i>Jarní voda</i> | 31 |
| <i>Studánka rezné paní</i> | 32 |
| <i>Studánky s živou vodou</i> | 33 |
| IV. Kruhy na vodě | 34 |
| <i>V náručí vody</i> | 34 |
| <i>Posel tajemství</i> | 35 |
| <i>Světélka vděku</i> | 36 |
| <i>Ticho nad vodami</i> | 37 |
| <i>Přípitek novoroční</i> | 38 |
| <i>Okénko v ledu</i> | 39 |
| <i>Vzdušné vlny</i> | 40 |
| <i>Pozdrav jarním proudům</i> | 41 |
| <i>Žabičky</i> | 42 |
| <i>Kamínky loučení</i> | 43 |
| V. Mému rodnému městu | 44 |
| <i>Brod přes Sázkavu</i> | 44 |
| <i>Qua hora nescis</i> | 45 |
| <i>Advent</i> | 46 |
| <i>Mosty času</i> | 47 |
| <i>Plamínek v únorové tmě</i> | 48 |
| <i>Jaro v zrcadle Řeky</i> | 49 |
| <i>Kříž i kopí sv. Jiří</i> | 50 |
| <i>Nad velkou myšlenkou tajemství</i> | 51 |
| <i>Kamenné srdce</i> | 52 |
| Příběh jednoho brodského skauta | 54 |